Regd. No. 21747 ISSN 2277-2014

Research Discourse

An International refereed research Journal

Vol. V No. II April-June 2015

Editor
Dr. Anish Kumar Verma

Associate Editors
Dr. Rajeev Kumar Tripathi *Dr. Purusottam Lal Vijay*

Published by :
South Asia Research & Development Institute
Varanasi, U.P. (INDIA)

(1)

Scanned by CamScanner

विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव : एक अध्ययन

डा० विष्णु कुमार*

सारांश : आधुनिक जीवन में सफल समायोजन न व्यक्तित्व की लोकप्रियता ने व्यक्तित्व के वैज्ञानिक अध्ययन को बहुत अधिक प्रोत्साहित किया है। विद्यार्थियों को भौगोलिक परिस्थितियों में जो अनुभूतियां होती है उनका व्यक्तित्व विकास में काफी प्रभाव पड़ता है। उचित भौगोलिक परिवेश तथा शिक्षण संस्थान का उचित वातावरण का प्रभाव परिलक्षित होता है। इस शोध द्वारा अलग–अलग भौगोलिक परिवेश में निवास करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व्यक्तित्व समायोजन क्षमता, स्वास्थ्य और रहन–सहन को तथ्यपूर्ण ढंग से जानने एवं समझने हेतु प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना : शिक्षा का उद्देश्य अच्छे मानव का विकास करना है। विद्यार्थी समाज में अपने विभिन्न क्रियाकलापों को सम्पन्न करता हुआ अपने आस–पास के सामाजिक एवं भौतिक वातावरण को भी प्रभावित करता है। किसी भी स्थान की सभ्यता संस्कृति समायोजनशीलता, व्यक्तित्व तथा शिक्षा प्रणाली आदि पर उस स्थान की भौगोलिक परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। विश्व के विभिन्न स्थानों की भौगोलिक स्थिति में भिन्नता पाई जाती है। निकोलस हेस ने बताया की स्कूलों की स्थापना, उपलब्धता, छात्रों का प्रवेश अथवा स्कूल जाना, स्कूली छुट्टियों का समय, पढाई की अनेक प्रक्रिया आदि पर स्थानीय भूगोल का प्रभाव स्पष्ट रुप से दिखाई पड़ता है। अधिक ठण्ड वाले इलाकों में सर्दी की लम्बी छुट्टियां एक उदाहरण है। अर्थात् स्थानीय परिस्थितियों के अनुरुप अपने आप को ढाल लेना ही समायोजन कहलाता है।

समस्या का औचित्य :

किसी भी अध्ययन का औचित्य उसके परिणामों की विस्तृत क्षेत्र में सार्थकता एवं उपर्युक्तता के आधार पर निश्चित किया जाता है। अतः भिन्न भिन्न वातावरण में रहने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, व्यक्तित्व का विकास, समायोजन क्षमता, स्वास्थ्य तथा रहन–सहन किस प्रकार का होता है इन सभी उत्पन्न जिज्ञासाओं को पूर्ण करने के लिए इस शीर्षक "विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और समायोजन पर पड़ने वाला प्रभाव : एक अध्ययन" का चयन किया गया है।

समस्या कथन : विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव : एक अध्ययन।

समस्या के उद्देश्य :

1. विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।
2. विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना :

1. विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

*सहायक प्रोफेसर, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनू, नागौर, राजस्थान।

Scanned by CamScanner